

नामरामಾಯणम्

॥ बालकांडः ॥

शुद्धब्रह्म पुरात्पर राम ॥१॥

कालात्कपिलमेश्वर राम ॥२॥

शैलतल्पसुखनिद्रित राम ॥३॥

ब्रह्माद्यमरप्राधित राम ॥४॥

चंडकिरणकुलमंडन राम ॥५॥

श्रीमद्भरतनन्दन राम ॥६॥

कौसल्यासुखवर्धन राम ॥७॥

विश्वामित्रप्रियधन राम ॥८॥

धौरताडकाफातक राम ॥९॥

मारिजादिनिपातक राम ॥१०॥

कौशिकमुखसंरक्षक राम ॥१०॥

श्रीमदहल्योद्धारक राम ॥११॥

गौतममुनिसंपूजित राम ॥१२॥

सुरमुनिवरगणसंस्तुत राम ॥१३॥

नाविकधामित्युदुपद राम ॥१४॥

मिथिलापुरजनमोहक राम ॥१५॥

विदेहमानसरोजक राम ॥१६॥

त्र्यंबककामुकभंजक राम ॥१७॥

सिंतापीतवरमालिक राम ॥१८॥

कृतव्येवाहिककौतुक राम ॥१९॥

भार्गवदरुपविनाशक राम ॥२०॥

श्रीमदयोध्यापालक राम ॥२१॥

राम राम जय राजाराम ।

राम राम जय सीताराम ॥

॥ अयोध्याकाण्डः ॥

अगणितगुणगणभूषित राम ॥१३॥

अवनीतनयाकामित राम ॥१४॥

राकाचन्द्रसमानन राम ॥१५॥

पितृवाक्याश्रीतकानन राम ॥१६॥

प्रियगुहविनिवैदितपद राम ॥१७॥

तत्क्षालितनिजमृदुपद राम ॥१८॥

भरद्वाजमुखानन्दक राम ॥१९॥

चित्तकूटाद्रिनिर्केतन राम ॥२०॥

दशरथसन्ततचिन्तित राम ॥२०॥

कैकेयितनयाधिप राम ॥२१॥

विरचितनिजपितृकर्म राम ॥२२॥

भरतार्थितनिजपादुक राम ॥२३॥

राम राम जय राजाराम ।

राम राम जय सीताराम ॥

॥ अरण्यकाण्डः ॥

दण्डकवनजनपावन राम ॥२४॥

दुष्प्रविरोधविनाशन राम ॥२५॥

शरभंगसुतीक्ष्णार्थ राम ॥२६॥

अगस्त्यानुग्रहवर्धित राम ॥२७॥

गुणधृतिपसंसेवित राम ॥३६॥

पंचवटितसुसुत राम ॥४०॥

शुषणखार्तिविधायक राम ॥४१॥

खरदोषणमुखसोदक राम ॥४२॥

सिताप्रियकरिणानुग राम ॥४३॥

मारिजातिरुदाशुग राम ॥४४॥

विनष्टसितान्वेषक राम ॥४५॥

गुणधृतिपगतिदायक राम ॥४६॥

शुभरीदत्तफलाशन राम ॥४७॥

कबन्धबाहुभ्रैदन राम ॥४८॥

राम राम जय राजाराम ।

राम राम जय सिताराम ॥

॥ किष्किंढाकाण्डः ॥

हनुमत्स्तेवितनिजपद राम ॥५६॥

नतसुग्रीवाभिएष्टद राम ॥५७॥

गर्वितवालिसंहारक राम ॥५८॥

वानरदूतप्रीषक राम ॥५९॥

हितकरलक्ष्मणसंयुत राम ॥६०॥

राम राम जय राजाराम ।

राम राम जय सीताराम ॥

॥ सुन्दरकाण्डः ॥

कपिवरसन्ततसंस्मृत राम ॥६१॥

तद्गतिविष्णुध्वंसक राम ॥६२॥

सिंताप्राणाधारक राम ॥१५॥

दुष्कृतशाननदोषित राम ॥१६॥

शिष्कनमदुष्कृत राम ॥१७॥

सिंतावेदिताकावत राम ॥१८॥

कृतकूटादुष्कृत राम ॥१९॥

कविवरवचनाश्लासित राम ॥२०॥

राम राम जय राजाराम ।

राम राम जय सिंताराम ॥

॥ युद्धकांडः ॥

रावणनिधनप्रसूत राम ॥२१॥

वानरसैन्यसमावृत राम ॥२२॥

शोषितसरीदिएशाधित राम ॥२५॥

विभिएषणाभयदायक राम ॥२६॥

पवतसेतुनिबन्धक राम ॥२७॥

कुन्धकणशिरश्लेदक राम ॥२८॥

राक्षससन्धविमर्दक राम ॥२९॥

अहिमहिरावणचारण राम ॥३०॥

सन्धुतदशमुखरावण राम ॥३१॥

विधिभवमुखसुरसन्धुत राम ॥३२॥

खण्डितदशरथविक्रित राम ॥३३॥

सिएतार्दनमोदित राम ॥३४॥

अभिषिक्तविभिएषणनुत राम ॥३५॥

पुष्पकयानारोहण राम ॥३६॥

भरद्वाजादिनिषेवण राम ॥२६॥

भरतप्राणप्रियकर राम ॥२७॥

साकेतपुरीभूषण राम ॥२८॥

सकलस्वियसमानत राम ॥२९॥

रत्नलसत्प्रीतासित राम ॥३०॥

पञ्चाभिषेकालोक्यत राम ॥३१॥

पाठिवकुलसम्मानित राम ॥३२॥

विभूषणावितरंगक राम ॥३३॥

केशकुलानुग्रहकर राम ॥३४॥

सकलजीवसंरक्षक राम ॥३५॥

समस्तलोकधारक राम ॥३६॥

राम राम जय राजाराम ।

राम राम जय सीताराम ॥

॥ लुत्तरकाण्डः ॥

अगतमुनिगणसंस्तुत राम ॥८२॥

विश्रुतदशकण्ठोद्भव राम ॥८३॥

सीतालिंगनिर्वृत राम ॥८४॥

नीतिसुरक्षितजनपद राम ॥८५॥

विपिनत्याजितजनक राम ॥८६॥

कारितलवणासुरवध राम ॥८७॥

स्वर्गतशंभुकसंस्तुत राम ॥८८॥

स्वतनयकुशलवनन्दिता राम ॥८९॥

अश्वमेधकृतुदिक्क्षित राम ॥६५॥

कालावैदितसुरपद राम ॥६६॥

आयौर्धकजनमुक्त्त राम ॥६७॥

विधिमुखविबुधानन्दक राम ॥६८॥

तैजोमयनिजरोपक राम ॥६९॥

संसृतिबन्धविमोचक राम ॥७०॥

धर्मस्नापनतत्त्व राम ॥७१॥

भक्तिपरायणमुक्त्त राम ॥७२॥

सर्वचराचरपालक राम ॥७३॥

सर्वभयामयवारक राम ॥७४॥

व्यकुन्ठालयसंस्थित राम ॥ ७५॥

नित्यानन्दपदस्थित राम ॥७६॥

राम राम जय राजराम ॥१०२॥

राम राम जय सीताराम ॥१०९॥